

3 अक्टूबर, 1981 के अंक में छपा था। इसमें श्री विशन सिंह बेदी के पाकिस्तान पहुंचने में विलम्ब के संबंध में एक स्थानीय संवाददाता की टिप्पणी पर उनके द्वारा दिए गए कथित उत्तर का उल्लेख है। जिन परिस्थितियों में कथित विचार व्यक्त किए गये थे उनको ध्यान में रखते हुए इस संबंध में श्री विशन सिंह बेदी के विरुद्ध कोई कार्रवाई करने का प्रश्न नहीं उठता।

'Workers starve as ministers clash'

2988. SHRI DINESH GOSWAMI:
SHRI NARASINGHA PRASAD
NANDA:

Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to a news item which appeared in the Indian Express dated the 7th December, 1981 under the caption 'Workers starve as ministers clash' ;

(b) if so, what are the details in this regard; and

(c) what steps Government have taken to resolve the issue so as to save about 2300 workers and their families from facing starvation?

THE MINISTER OF INDUSTRY AND LABOUR (SHRI NARAYAN DATT TIWARI): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Kumardhubi Engineering Works (KEW) had to be closed down during June/July, 79 due to its worsening financial position as a result of losses incurred by the company for many years in the past and the inability of the company to obtain funds from the Banks/Financial Institutions. Various options and possibilities for re-opening the company have been considered and the matter is presently also under the consideration of Central and the Bihar State Governments.

हरिजनों तथा आदिवासियों को चेसिसों के आबंधन में प्राथमिकता

2989. श्री गुरुदेव गुप्त :

श्री राम पूजन पटेल :

क्या उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) जनवरी, 1980 से अक्टूबर, 1981 के दौरान टाटा मर्सडोज बेंज की कितनी चेसिसों प्राथमिकता के आधार पर आवंटित की गईं ;

(ख) क्या राष्ट्रीय नीति के अनुसरण में इस मामले में कमजोर वर्गों के व्यक्तियों को भी प्राथमिकता दी गयी है; और

(ग) यदि हां, तो उस अवधि के दौरान कितने हरिजनों तथा आदिवासियों को चेसिसों का आवंटन किया गया ?

उद्योग तथा श्रम मंत्री (श्री नारायण बल्लू तिवारी) : (क) कम्पनी ने बताया है कि केवल 1 अप्रैल, 1981 से विस्तृत आंकड़े रखे गये हैं तथा 1 अप्रैल, 1981 से नवम्बर, 1981 तक प्राथमिकता प्राप्त विभिन्न श्रेणियों को 400 चेसिसों का आवंटन किया गया है।

(ख) और (ग) जी, हां। प्राथमिकता देने संबंधी मार्गदर्शी सिद्धांतों में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के सदस्य शामिल हैं, तथा कम्पनी ने बताया है कि 1 अप्रैल, 1981 से नवम्बर, 1981 तक की अवधि में इस श्रेणी के आवेदकों को 20 चेसिसों का आवंटन किया गया था।